

## प्रेमलस्य प्रेमल्याश्च कथा

प्रश्न: 1. एकपदेन उत्तरत—(एक पद में उत्तर दीजिए—)

- (क) प्रेमलः कथं श्रान्तः आसीत्?
- (ख) प्रेमलः कदा गृहम् आगच्छत्?
- (ग) प्रेमलः कानि प्राज्वालयत्?
- (घ) चुल्लीं प्रज्वालयितुं प्रेमलः किं कृतवान्?
- (ङ) प्रेमली कस्य पत्नी आसीत्?

उत्तरम्— (क) काण्ठच्छेदेन (ख) सायंकाले, (ग) काष्ठानि, (घ) फूत्कारम्, (ङ) प्रेमलस्य।

प्रश्न: 2. अधोलिखितेषु पदेषु उपसर्गं चित्वा पृथक् कुरुत—(निम्नलिखित पदों में उपसर्गों का चयन करके पृथक् लिखिए—)

|                 |      |               |
|-----------------|------|---------------|
| यथा— अपगमिष्यति | = अप | + गमिष्यति    |
| अवतारय          | =    | ..... + ..... |
| प्रज्वाल्य      | =    | ..... + ..... |
| प्रहारः         | =    | ..... + ..... |
| पराजयः          | =    | ..... + ..... |
| उपहारः          | =    | ..... + ..... |

उत्तरम्— अव + तारय, प्र + ज्वाल्य, प्र + हारः, परा + जयः, उप + हारः

प्रश्न: 3. अधोलिखितेषु पदेषु उदाहरणानुसारेण धातुं प्रत्ययं च पृथक् कुरुत—(निम्नलिखित पदों में से उदाहरण के अनुसार धातु और प्रत्यय पृथक् कीजिए—)

| (क)   | पदानि    | धातुः | प्रत्ययः      |
|-------|----------|-------|---------------|
| यथा — | गत्वा    | = गम् | + क्त्वा      |
|       | कृत्वा   | =     | ..... + ..... |
|       | भृत्वा   | =     | ..... + ..... |
|       | स्नात्वा | =     | ..... + ..... |

| उत्तरम्— (क) | धातुः | प्रत्ययः |
|--------------|-------|----------|
|              | कृ    | क्त्वा   |
|              | भृ    | क्त्वा   |
|              | स्ना  | क्त्वा   |

|           |           |       |               |
|-----------|-----------|-------|---------------|
| (ख) यथा — | पठितुम्   | = पठ् | + तुमुन्      |
|           | कर्तुम्   | =     | ..... + ..... |
|           | खादितुम्  | =     | ..... + ..... |
|           | द्रष्टुम् | =     | ..... + ..... |

|              |       |        |
|--------------|-------|--------|
| उत्तरम्— (ख) | कृ    | तुमुन् |
|              | खाद्  | तुमुन् |
|              | द्रश् | तुमुन् |

| (ग)   | पदानि     | उपसर्गः | धातुः         | प्रत्ययः |
|-------|-----------|---------|---------------|----------|
| यथा — | आनीय      | = आ     | + नी          | + ल्यप्  |
|       | आगत्य     | =       | ..... + ..... | + .....  |
|       | निधाय     | =       | ..... + ..... | + .....  |
|       | आदाय      | =       | ..... + ..... | + .....  |
|       | संस्पृश्य | =       | ..... + ..... | + .....  |

|                      |        |          |
|----------------------|--------|----------|
| उत्तरम्- (ग) उपसर्गः | धातुः  | प्रत्ययः |
| आ                    | गम्    | ल्यप्    |
| नि                   | धा     | ल्यप्    |
| आ                    | दा     | ल्यप्    |
| सम्                  | स्पृश् | ल्यप्    |

प्रश्नः 4. मञ्जूषातः समानार्थकपदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत- (मञ्जूषा से समानार्थक पदों का चयन करके रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए-)

निकटे अधुना कथयति ददासि हस्तेन संस्थाप्य पुष्पम् तनुः

|                |                     |
|----------------|---------------------|
| करेण = .....   | कुसुमम् = .....     |
| यच्छसि = ..... | स्थापयित्वा = ..... |
| वदति = .....   | साम्प्रतम् = .....  |
| शरीरम् = ..... | पार्श्वे = .....    |

उत्तरम्- (i) करेण हस्तेन (i) कुसुमम् पुष्पम् (iii) यच्छसि ददासि  
(iv) स्थापयित्वा संस्थाप्य (v) वदति कथयति (vi) साम्प्रतम् अधुना  
(vii) शरीरम् तनुः (viii) पार्श्वे निकटे

प्रश्नः 5. निर्देशानुसारं उपसर्ग क्रियापदं च पृथक् कुरुत- (निर्देशानुसार और क्रिया पदों के उपसर्ग पृथक् कीजिए-)

|                      |         |
|----------------------|---------|
| यथा- प्राचलत् = प्र  | + अचलत् |
| निरदिशत् = .....     | + ..... |
| आगच्छत् = .....      | + ..... |
| अवातारयत् = .....    | + ..... |
| पराभवत् = .....      | + ..... |
| प्राक्षालयत् = ..... | + ..... |

उत्तरम्- उपसर्गः क्रियापदम्  
निः अदिशत्  
आ अगच्छत्  
अव अतारयत्  
परा अभवत्  
प्र अक्षालयत्

प्रश्नः 6. अधोलिखितानि वाक्यानि घटनाक्रमानुसारं लिखत- (निम्नलिखित वाक्यों को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए-)

- (क) सः हण्डीमवातारयत्।  
(ख) सः चुल्लीमज्जालयत्।  
(ग) सः हण्डीं स्नानगृहे अस्थापयत्।  
(घ) सः घटे जलमभरत्।  
(ङ) प्रेमलः गृहमागच्छत्।  
(च) सः जलमुष्णमकरोत्।  
(छ) सः भोजनमकरोत्।  
(ज) सः स्नानमकरोत्।

उत्तरम्- (ङ) प्रेमलः गृहमागच्छत्।  
(क) सः हण्डीमवातारयत्।  
(घ) सः घटे जलमभरत्।  
(ख) सः चुल्लीमज्जालयत्।  
(च) सः जलमुष्णमकरोत्।  
(ग) सः हण्डीं स्नानगृहे अस्थापयत्।  
(ज) सः स्नानमकरोत्।  
(छ) सः भोजनमकरोत्।

प्रश्न: 7. अधोलिखितानां तद्भवपदानां तत्समपदानि चिनुत—(निम्नलिखित तद्भव पदों के तत्सम पद लिखिए—)

|        |   |       |
|--------|---|-------|
| काठ    | — | ..... |
| हाँडी  | — | ..... |
| चूल्हा | — | ..... |
| कूआँ   | — | ..... |
| फूँकना | — | ..... |

उत्तरम्— तद्भवशब्दाः

|        |
|--------|
| काठ    |
| हाँडी  |
| चूल्हा |
| कूआँ   |
| फूँकना |

तत्समशब्दाः

|                |
|----------------|
| काष्ठ/काष्ठानि |
| हण्डी          |
| चुल्ली         |
| कूपः           |
| फूत्कारम्      |

### अतिरिक्तः अभ्यासः

(1) मञ्जूषातः उचितं समानार्थकं पदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत—(मञ्जूषा से उचित समानार्थक पद चुनकर रिक्त स्थान भरिए—)

1. शरीरम्
2. निधेहि
3. आनय
4. भृशम्
5. संस्थाप्य
6. करिष्यामि
7. इदानीम्

स्थापय, आचरिष्यामि, साम्प्रतम्  
निधाय, अत्यधिकम्  
देहः, आहर

- उत्तरम्— 1. देहः 2. स्थापय 3. आहर 4. अत्यधिकम्  
5. निधाय 6. आचरिष्यामि 7. साम्प्रतम्

(2) अधोलिखितेषु पदेषु उपसर्गं चित्वा पृथक् लिखत—(निम्नलिखित पदों में उपसर्ग चुनकर पृथक् लिखिए—)

1. अवातारयत् = \_\_\_\_\_ + \_\_\_\_\_
2. अपहरणम् = \_\_\_\_\_ + \_\_\_\_\_
3. निधेहि = \_\_\_\_\_ + \_\_\_\_\_
4. प्रवेशः = \_\_\_\_\_ + \_\_\_\_\_
5. निर्देशः = \_\_\_\_\_ + \_\_\_\_\_
6. अपवदति = \_\_\_\_\_ + \_\_\_\_\_

- उत्तरम्— 1. अव + अतारयत् 2. अप + हरणम् 3. नि + धेहि 4. प्र + वेशः  
5. निः + देशः 6. अप + वदति।

(3) पाठांशं पठत अधोदत्तान् प्रश्नान् च उत्तरत—(पाठांश पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—)

(क) एकः आसीत् प्रेमलः एका चासीत् प्रेमली। काष्ठच्छेदेन श्रान्तः प्रेमलः सायंकाले गृहमागच्छत्, प्रेमलीं चावदत्—प्रेमलि! अद्य खलु भृशं श्रान्तोऽस्मि। मह्यं जलम् उष्णं कृत्वा देहि। अहं स्नात्वा तस्मिन् जले चरणौ स्थापयामि। तेन मम श्रान्तिः अपगमिष्यति।

I. एकपदेन उत्तरत।

1. कः श्रान्तः आसीत्? \_\_\_\_\_
2. सः केन श्रान्तः? \_\_\_\_\_
3. सः कदा गृहमागच्छत? \_\_\_\_\_
4. सः किमर्थं उष्णं जलम् इच्छति स्म? \_\_\_\_\_

- उत्तरम्— 1. प्रेमलः 2. काष्ठच्छेदेन 3. सायंकाले 4. स्नानार्थम्

- II. 1. प्रेमलः गृहम् आगत्य पत्नीं किम् अवदत्?  
2. प्रेमलस्य श्रान्तिः कथं गमिष्यति?

- उत्तरम्— 1. प्रेमलः गृहमागत्य पत्नीम् अवदत्—अहं काष्ठच्छेदेन भृशं श्रान्तोऽस्मि; मह्यम् जलम् उष्णं कृत्वा देहि इति।

2. उष्णजलेन स्नानं कृत्वा तस्मिन् जले च चरणौ स्थापयित्वा प्रेमलस्य श्रान्तिः अपगमिष्यति।

अथवा

यदा प्रेमलः उष्ण-जलेन स्नानं करिष्यति तस्मिन् जले च चरणौ स्थापयिष्यति तदा तस्य श्रान्तिः अपगमिष्यति।

### III. भाषिककार्यम्

1. तस्मिन् जले-अत्र किं विशेषणम्? \_\_\_\_\_
2. विपर्यायं (विपरीतार्थकं) लिखत-(i) शीतलम् \_\_\_\_\_ (ii) विश्रान्तः \_\_\_\_\_
3. पर्यायं लिखत-यच्छ \_\_\_\_\_
4. विभक्तिवचनं लिखत- (i) चरणौ \_\_\_\_\_ (प्रथमा द्विवचनम्, द्वितीया द्विवचनम्)  
(ii) मह्यम् \_\_\_\_\_ (द्वितीया एकवचनम्, चतुर्थी एकवचनम्)  
(iii) प्रेमलि \_\_\_\_\_ (प्रथमा एकवचन, सम्बोधनं, एकवचनम्)
5. सन्धिविच्छेदं वा कुरुत-  
(i) काष्ठ + छेदनेन = \_\_\_\_\_ (ii) आगच्छत् = \_\_\_\_\_ + \_\_\_\_\_

उत्तरम्- 1. तस्मिन् 2. (i) उष्णम् (ii) श्रान्तः

3. देहि
4. (i) द्वितीया द्विवचनम् (ii) चतुर्थी एकवचनम् (iii) सम्बोधनम्, एकवचनम्
5. (i) काष्ठच्छेदनेन (ii) आ + अगच्छत्

(ख) 'अधुना चुल्यां काष्ठानि प्रज्ज्वालये' इति वाक्ये

1. (i) अव्ययपदम् किम्? \_\_\_\_\_ (ii) क्रियापदम् किम् = \_\_\_\_\_ + \_\_\_\_\_
2. अत्र किं विभक्तिवचनम्-  
(i) चुल्याम् \_\_\_\_\_ (द्वितीया एकवचनम्, सप्तमी एकवचनम्)  
(ii) काष्ठानि \_\_\_\_\_ (प्रथमा बहुवचनम्, द्वितीया बहुवचनम्)
3. रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत  
(i) \_\_\_\_\_ (ए.व.) \_\_\_\_\_ (द्वि.व.) काष्ठानि  
(ii) चुल्याम् \_\_\_\_\_ (द्वि.व.) \_\_\_\_\_ (ब.व.)

उत्तरम्-

1. (i) अधुना (ii) प्रज्ज्वालये
2. (i) सप्तमी एकवचनम् (ii) द्वितीया बहुवचनम्
3. (i) काष्ठम्, काष्ठे (ii) चुल्ल्योः, चुल्लीषु (नदी की भाँति)

(ग) 'अस्तु! सम्प्रति आवां भोजनं कुर्वः।' इति वाक्ये-

- (अ) (i) क्रियापदम् किम् \_\_\_\_\_ (ii) कर्तृपदम् किम्? \_\_\_\_\_  
(iii) कर्मपदम् किम्? \_\_\_\_\_
- (आ) उपरिदत्तं वाक्यं बहुवचने परिवर्तयत-

उत्तरम्-

- (अ) (i) कुर्वः (ii) आवाम् (iii) भोजनम्
- (आ) अस्तु! सम्प्रति वयम् भोजनं कुर्मः।

(4) अधोदत्तान् निर्देशान् घटना-क्रमानुसारं लिखत-(निम्नलिखित निर्देशों को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए-)

1. हण्डीं चुल्याम् उपरि स्थापय।
2. हण्डीं यथास्थानं निधेहि।
3. हण्डीम् अवतार्य स्नानगृहे स्थापय।
4. अपरितः हण्डीम् अवतारय।
5. सम्प्रति स्नानं कुरु।
6. चुल्यां काष्ठानि प्रज्ज्वालय।
7. कूपं गत्वा घटे जलम् आनय।
8. घटात् हण्ड्यां जलं भरा।

उत्तरम्-

1. उपरितः हण्डीम् अवतारय।
2. कूपात् घटे जलम् आनय।
3. चुल्यां काष्ठानि प्रज्ज्वालय।
4. घटात् हण्ड्यां जलं भरा।
5. हण्डीं चुल्याम् उपरि स्थापय।
6. हण्डीम् अवतार्य स्नानगृहे स्थापय।
7. सम्प्रति स्नानं कुरु।
8. हण्डीं यथा स्थानं निधेहि।

**बहुविकल्पीयप्रश्नाः**

(1) प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् पदम् चित्वा वाक्यपूर्तिं कुरुत। (दिए गए विकल्पों में से उचित पद चुनकर वाक्यपूर्ति कीजिए—)

1. अधुना चुल्याम् \_\_\_\_\_ प्रज्ज्वालय।  
(काष्ठान्, काष्ठानि, काष्ठम्)
2. \_\_\_\_\_ हण्ड्यां जलं पूरय।  
(घटम्, घटेन, घटात्)
3. आलस्यं तु ममैव ( \_\_\_\_\_ + \_\_\_\_\_ )।  
(मम् + ऐव; मम + ऐव; मम + एव)
4. सम्प्रति आवां भोजनं \_\_\_\_\_ । (कुरवः, कुरुवः, कुर्वः)
5. किञ्चित् कालानन्तरम् ( \_\_\_\_\_ + \_\_\_\_\_ ) सः पुनः प्रेमलीम् अपृच्छत।  
(कालान् + अन्तरम्; काला + अनन्तरम् काल + अनन्तरम्)
6. अद्य खलु भृशं \_\_\_\_\_ अस्मि। (श्रान्तः, श्रान्तम्, श्रान्ता)
7. अहं \_\_\_\_\_ तस्मिन् जले चरणौ स्थापयामि।  
(कृत्वा, खादित्वा, स्नात्वा)
8. अधुना \_\_\_\_\_ स्नानगृहे स्थापय। (घटम्, चुल्लीम्, हण्डीम्)
9. जलम् उष्णं कृत्वा \_\_\_\_\_ देहि। (माम्, मम, मह्यम्)
10. प्रेमलः हण्डीम् \_\_\_\_\_ । (अवातारयत्, अवतारय, अवतार्य)

**उत्तरम्—**

- |                   |                              |
|-------------------|------------------------------|
| 1. काष्ठानि       | 6. श्रान्तः                  |
| 2. घटात्          | 7. स्नात्वा                  |
| 3. मम + एव        | 8. हण्डीम्                   |
| 4. कुर्वः         | 9. मह्यम्                    |
| 5. काल + अनन्तरम् | 10. अवातारयत् (अव + अतारयत्) |